

19 फरवरी रविवार 2017 सायंकाल पॉडव भवन, करोल वाग में दिल्ली के न्यायविदों वर्ग के लिए *TRANSFORMING STRESS INTO HAPPINESS* विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया

मुख्य अतिथी सम्मानीय न्यायमूर्ति पिनाकी चन्द्र घोष जी ने कहा कि मैं स्प्रिचुअल लाईन से ज्यादा लीगल लाईन से हूँ। उन्होंने अपने अनुभव बांटते हुए कहा कि मैंने अपने जीवन में हमेशा 3 सी और 2 डी का पालन किया है। (3C's- Concentration, Confidence, Courage) 2 D's - Discipline & Devotion) इसने मुझे तनावमुक्त रखने में मुझे सहयोग दिया है।

ओमशान्ति रिट्रीट सेन्टर एन सी आर एवं दिल्ली की डायरेक्टर आशा दीदी ने कहा कि तनाव हमारा मौलिक गुण नहीं है। लगातार चलने वाले नकारात्मक विचार हमारी उर्जा को नष्ट करते हैं। इसीलिए अपनी एनर्जी को बढ़ाने के लिए दिन में कई बार गहन शान्ति का अभ्यास करना चाहिए।

ज्यूरिस्ट विंग की डायरेक्टर ब्रः कुः पुष्पा दीदी ने राजयोग मेडीटेशन का परिचय दिया और राजयोग का अभ्यास कराया।

संस्था के मुख्यालय माऊंट आवू से पधारी ब्रः कुः लता वन ने विंग का परिचय देते हुए मंच का सफल संचालन किया।

संस्था के चीफ स्पोकसमैन एवं एडीशनल प्रिंसीपल सैकेट्री राजयोगी वी के वृजमोहन भाई ने कहा कि निराशा से जीवन में समस्या ज्यादा आती है इसीलिए मन के संकल्पों को पावरफुल बनाए तो इससे जो सिग्नल निकलेगें उससे मस्तिष्क को शक्ति मिलेगी और तनाव का प्रसन्नता में परिवर्तन हो जाएगा। बहुत साधारण सा सूत्र है : हम सबका भला करते चले क्योंकि मनुष्य का मौलिक गुण सत चित आनन्द स्वरूप है।

एम वी रमेश रजिस्ट्रार न्यायलय ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्था का परिचय दिया। साथ ही कुमारियों के द्वारा मूल्य आधारित गीत एव नृत्य भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में दिल्ली स्थित सभी न्यायलयों से अधिवक्ताओं न्यायधीशों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथी को शाल पहनाकर ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया गया। अंत में आये हुए सभी मेहमानों को ईश्वरीय साहित्य तथा प्रसाद वितरण किया गया। तथा सभी के लिए रिफ्रेशमेंट का भी प्रबन्ध किया गया था।